

**नास्तिवाद** पुं. (तत्.) नास्तिकों का तर्क, विचार दर्शन।

**नास्य** वि. (तत्.) नासिका संबंधी, नाक का, नासिका से उत्पन्न पुं. बैल की नाक में लगी हुई रस्सी, नाथ।

**नाह** पुं. (तद्.) 1. नाथ, स्वामी, मालिक 2. स्त्री का पति, पहिए का छेद, नाभि पुं. (तत्.) 1. बंधन 2. हिरन फँसाने का फंदा 2. कोष्ठबद्धता, कब्ज।

**नाहक** अव्य. (अर.) वृथा, व्यर्थ, निष्प्रयोजन, अन्याय।

**नाहनूह** स्त्री. (देश.) नहीं-नहीं शब्द, इनकार।

**नाहमवार** वि. (फा.) 1. जो हमवार या समतल न हो, ऊबड़-खाबड़ 2. असम।

**नाहर** पुं. (तद्.) 1. सिंह, शेर 2. बाघ।

**नाहरसाँस** पुं. (देश.) घोड़ों की एक बीमारी जिसमें उनका दम फूलता है।

**नाहरी** स्त्री. (तद्.) सिंहनी, शेरनी।

**नाहरू** पुं. (देश.) नारु, नाक का रोग, नहरूवा।

**नाहीं** अव्य. (तत्.) दे. नहीं।

**नाहुष** पुं. (तत्.) नहुष का पुत्र ययाति।

**निंडिका** स्त्री. (तत्.) मटर, कलाय।

**नित** पुं. (अव्य.) दे. नित्य।

**निंदक** पुं. (तत्.) निंदा करने वाला, दूसरों के दोष या बुराई करने वाला।

**निंदन** पुं. (तत्.) निंदा करने का काम।

**निंदनीय** वि. (तत्.) 1. निंदा करने योग्य, बुरा कहने योग्य 2. बुरा।

**निंदरना** स.क्रि. (तत्.) निंदा करना, बदनाम करना।

**निंदरा** स्त्री. (तद्.) निद्रा, नींद।

**निंदरिया** स्त्री. (तद्.) नींद, निद्रा।

**निंदा** स्त्री. (तत्.) 1. दोष कथन, बुराई का वर्णन, अपवाद, जुगुप्सा 2. अपकीर्ति, बदनामी।

**निंदाई** स्त्री. (देश.) 1. खेत के पास की घास, तृण आदि को उखाड़ कर अलग करने का काम, निराई 2. निराने की मजदूरी।

**निंदारा** वि. (तद्.) 1. जिसे नींद आ रही हो, उनींदा 2. आलस्ययुक्त, अलसाया।

**निंदासा** वि. (देश.) 1. जिसे नींद आ रही हो 2. जिसकी आखों में नींद भरी हो।

**निंदास्तुति** स्त्री. (तत्.) 1. निंदा के बहाने स्तुति, व्याज स्तुति 2. दोष कथन और प्रशंसा।

**निंदित** पुं. (तत्.) जिसे बुरा कहा गया हो, जिसे लोग बुरा कहते हों।

**निंदिया** स्त्री. (देश.) नींद, निद्रा।

**निंदु** स्त्री. (तत्.) मरे हुए बच्चे को जन्म देने वाली माता, मृतवत्सा माँ।

**निंद्य** पुं. (तत्.) निंदा करने योग्य, निंदनीय 2. दूषित, बुरा।

**निंद्या** स्त्री. (तत्.) दे. निंद्य।

**निंब** पुं. (तत्.) नीम का पेड़।

**निंबकौरी** स्त्री. (तत्.+तद्) नीम का फल, निंबौरी।

**निंबतरु** पुं. (तत्.) 1. नींब का पेड़ 2. मदार वृक्ष 3. महानिंब।

**निंबबीज** पुं. (तत्.) राजदनी वृक्ष, चिरोंजी का पेड़।

**निंबरिया** स्त्री. (तद्.) वह बारी या कुँज जहाँ सब पेड़ नीम के ही हों।

**निंबादित्य** पुं. (तत्.) 1. निंबार्काचार्य 2. निंबार्क संप्रदाय के आदि आचार्य।

**निंबार्क** पुं. (तत्.) 1. निंबादित्य 2. निंबादित्य का चलाया हुआ, वैष्णव संप्रदाय।

**निः** उप. (तत्.) एक उपसर्ग जो शब्द के पहले लगाया जाता है जैसे- निःशुल्क।

**निःशंस्य** वि. (तत्.) संदेहरहित, शंकारहित।